2. भारत में और विश्व में, महिलाओं की भागीदारी :

- भारत व विश्व में महिलाओं की भागीदारी कि बात करें तो, महिलाएं केवल भागीदार बनकर या भूमिका निभाया नहीं करती थीं अपितु दुनिया बदलने कि ताकत, जुनून और जज्बा ये सभी चीजों सहित एकाड़ा रहा करती थी। फिर चाहे वो क्षेत्र समाज बदलने का हो, आर्थिक क्षेत्र में सुधार का हो, या प्रशासन सम्बन्धित कार्यन्वयन हो, समाज शाँति, विज्ञान एवं प्रौधोगीकि इत्यादि। इन सभी क्षेत्रों में महिलाओं का योगदान हमारे समाज पर अमीट छाप छोड़ता है। निचे आलेखित कुछ विस्तृत व्याख्या इस प्रकार हैं।

दुनिया की बात करें या अपने पूरे भारतवर्ष का महिलाओं का योगदान अतुल्य है। विश्व में परिवर्तन लाने वाली कुछ महिलाओं का आलेख कुछ इस प्रकार है। दुनिया की शुरूआत से लेकर अब तक महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपना परचम लहराया है और लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। बी० बी० सी० हिस्ट्री मैग्जीन ने दुनिया की ऐसी ही सौ महिलाओं की सूची जारी किया था जिनमें से कुछ निचे उपयुक्त रूप से दर्शाया गया है।

इसमें रेडियोधर्मिता पर गहन शोध करने वाली और नोबेल पुरस्कार जीतने वाली वैज्ञानिक मैरी क्यूरी को पहला स्थान मिला है।

ऐसे ही गरीबों और असहायों को मदद करने वाली, जिन्होने ने अपना सर्वस्व (सब कुछ), जीवन बिताने वाली मदर टेरेसा 20वें पायदान पर है।

ऐसी ही एक अमेरिकी महिला है, जिनका नाम रोजा पार्क्स है जिन्हें मदर ऑफ फ्रीडम मुवमेंट नाम मिला

एमेलाइन पाँखुरस्ट : ब्रिटिश सफ्रागेट आंदोलन की नेत्री, इनके ही प्रयासों से ब्रिटेन में महिलाओं को मतदान अधिकार मिला।

एडा लवलेस : ब्रिटिश गणितज्ञ और लेखक, इन्हे पहला कम्पयूटर प्रोग्रामर माना जाता है।

इंदिरा गाँधी : 49वां स्थान सूची में देश की पहली और इकलौती महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी को माना जाता है जिन्हें दृढ़ संकल्प व्यक्तित्व वाली और कठोर फैसलों के लिए जाना जाता है। उन्होनें दो बार देश सत्ता और कमान को संभाला, बाद में 1969 में बैंको का